सत्र समापन अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

बुधवार 12 सितम्बर, 2018

चतुर्थ विधानसभा का यह दो दिवसीय सत्रहवां सत्र जो विशेष सत्र भी है, का आज अंतिम कार्यदिवस है । इस सत्र के समापन अवसर पर मैं सर्वप्रथम सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी एवं समस्त माननीय सदस्यों के प्रति इस विशेष सत्र के सुव्यवस्थित संचालन में सहभागिता और सहयोग के लिये हृदय से धन्यवाद देता हूं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अब तक के संसदीय इतिहास में यह कीर्तिमान है कि इस चतुर्थ विधानसभा में सबसे अधिक कुल सत्रह सत्र आहूत हुये तथा इन 17 सत्रों में कुल 145 बैठकों में 845 घण्टे 47 मिनट चर्चा हुई ।

विगत सत्र के अंतिम कार्यदिवस में जब हमने सदन में एक दूसरे को शुभकामनाएं दी थीं, तो हममें से किसी ने भी यह कल्पना नहीं की थी कि चतुर्थ विधानसभा के विघटन के पूर्व एक बार फिर सदन में हमारी उपस्थिति होगी, किन्तु छत्तीसगढ़ राज्य में हमारे किसान भाईयों की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए ही उनकी आवश्यकताओं को महसूस करते हुए इस विशेष सत्र को आहूत किया गया और हम पुनः इस सदन में उपस्थित हुए हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य कृषि प्रधान राज्य है यहां की संपूर्ण अर्थ व्यवस्था कृषि पर आधारित है और जब तक यहां का किसान सम्पन्न और सुखी नहीं होगा तब तक राज्य के विकास की परिभाषा पूर्ण नही मानी जायेगी तथा किसान भाईयों के लिये जो आपने संवेदनशीलता प्रदर्शित की उसके लिये आप सभी बधाई के पात्र है। यह उल्लेखनीय है कि राज्य के हमारे किसान भाईयों को धान की खरीदी के साथ बोनस प्राप्त होगा। यह निर्णय हमारे किसान भाईयों के प्रति हमारी संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण है।

राजनैतिक प्रतिबद्धताओं के चलते माननीय सदस्यों के मत में भले ही भिन्नता हो परंतु आप सभी की भावना छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों की समृद्धि को समर्पित है। मेरा यह भी विश्वास है कि आप सभी ने अपनी राजनैतिक इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं से परे लोकहित और लोककल्याण को ज्यादा महत्व दिया है। आपकी इस भावना के लिये मैं आप सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूं।

इस सत्र के प्रथम दिवस माननीय राज्यपाल बलरामजी दास टंडन, भारत रत्न छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूज्य श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी एवं छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम वित्त मंत्री माननीय श्री रामचंद्र सिंहदेव के निधन पर हमने श्रद्धांजलि अर्पित की । आईये हम सब मिलकर इन महान विभूतियों के व्यक्तित्व से प्रेरणा लें और उसे जीवन में व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करें और एक

आदर्श नागरिक तथा एक जनप्रिय जनसेवक बनने का संकल्प लें हमारी यह भावना इन महान व्यक्तित्वों के प्रति हमारी वास्तविक श्रद्धांजलि होगी।

इस विशेष सत्र में कुल 2 बैठकें सम्पन्न हुई जिसमें लगभग 8 घंटे 48 मिनट चर्चा हुई। इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 4 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी विधेयक पारित हुए। वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत द्वितीय अनुपूरक अनुमान पर 5 घण्टे 33 मिनट चर्चा हुई।

मैं इस विशेष सत्र के सुव्यवस्थित संचालन में माननीय उपाध्यक्ष सहित सभापति तालिका के माननीय सदस्यों, माननीय मंत्रीगणों सहित सभी माननीय सदस्यों को भी उनके द्वारा दिये गये सहयोग के लिये मैं अपनी ओर से धन्यवाद देता हूं।

मैं प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माननीय पत्रकार साथियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

सत्र समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस विशेष सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया।

आज तीज का पर्व है मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से छत्तीसगढ़ की सभी माता–बहनों को लोकपर्व **''तीजा''** की शुभकामनाएं देता हूं। कल से विध्नहर्ता श्री गणेश जी की स्थापना पर्व आरंभ हो रहा है मैं आप सभी को **गणेश चतुर्थी** की शुभकामनाएं देता हूं, कामना करता हूं कि भगवान श्री गणेश जी की कृपा आप सब पर सदैव बनी रहे ।

यह सत्र अब अंतिम सत्र कहा जा सकता है क्योंकि शीघ्र ही राज्य में पांचवी विधानसभा के लिये निर्वाचन प्रक्रिया आरंभ होगी मैं आप सभी के उज्जवल राजनैतिक भविष्य की कामना करते हुए आवाह्न करता हूं कि आईये हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को समग्र उन्नति के शीर्ष पर पहुंचाने का पुनीत संकल्प लें।

धन्यवाद !

जय– हिन्द, जय– भारत, जय– छत्तीसगढ़ !